

# सतना में भारी बारिश से हाहाकार: जलभराव से डूबे कई इलाके चित्रकूट में बाढ़ राहत कार्य तेज, रामपुर बघेलान-कोटर में अलर्ट

**सतना/चित्रकूट।** जिले में बुधवार सुबह से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर में सुबह 5:30 बजे से लगातार हुई बारिश से 90 मिलीमीटर से अधिक जलभराव दर्ज किया गया, जबकि सुबह 8:30 से 11:30 बजे के 3 घंटों में ही 56 मिमी बारिश हो गई। भारी बारिश के चलते शहर के कई निचले इलाके, कॉलोनियां और मुख्य मार्ग जलमग्न हो गए। वहीं चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर धीरे-धीरे उतरने से राहत मिली है, लेकिन प्रशासन ने रामपुर बघेलान और कोटर क्षेत्र की सिमरावाल नदी तटीय ग्रामों में अचानक जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए अलर्ट जारी कर दिया है।

## पन्ना नाका तक डूबी कॉलोनियां, नालियों पर अतिक्रमण से भड़का जनाक्रोश

शहर में जलभराव की स्थिति इस कदर बिगड़ी कि बर्दाडीह (वार्ड 10) स्थित निगम जोन कार्यालय-3 के सामने बमरू विहार कॉलोनी पूरी तरह जलमग्न हो गई। पन्ना नाका उमरी, बांधवगढ़ कॉलोनी (माधव आईटीआई के पास), भरहुत नगर, बम्हंगवा गली 1 व 2, मंदाकिनी विहार और पुलिस कॉलोनी (गढ़िया टोला) में दुकानों व लोगों के घरों में पानी घुस गया। मंदाकिनी विहार और पन्ना नाका के रहवासियों ने आरोप लगाया कि रसूखदारों द्वारा नालियों पर बाड़ड़ीवाल बनाकर अतिक्रमण करने के कारण जल निकासी ठप हुई है। पिछले 15 दिनों में तीसरी बार घरों में पानी घुसा है, जिससे स्थानीय लोगों में नगर निगम प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है।

**जमीनी मुआयने पर निकले महापौर**

जलभराव की सूचना मिलते ही महापौर योगेश कुमार ताम्रकार और नगर निगम का अमला प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने पहुंचा। महापौर ने वार्ड 4 मास्टर प्लान क्षेत्र में पहुंचकर जल निकासी के त्वरित निर्देश दिए। इधर नगर निगम की टीमों ने जेसीबी की मदद से वार्ड 27 कामढगिरि कॉलोनी में बड़े नाले का जाम खुलवाया, वार्ड 23 सरस्वती चौक के पास नाली की सफाई की और वार्ड 44 बाईपास पर पानी निकासी का रास्ता बनाया। भाजपा कार्यालय के पास नाले में बड़े युवकों का रेस्क्यू ऑपरेशन कर बचा लिया गया। वार्ड 04 रेलवे ओवरब्रिज के पास प्रभावितों को भोजन के पैकेट वितरित किए गए।

## इन गांवों में अलर्ट

अकाउना, अबेर, इतौर, बर्दाडीह, कोरगंवा, गजिगावां, गौरैया, मेढी, भटिगावां, नैनपुरा, गोलहटा, गढ़वा कला, टेढ़गवां, रजरवार, किचवरया, लॉलाक्ष, खोहर, घटबेलवा, कितहा पेपखार, माझीहार पेपाखार, गढ़वा खुर्द, रघुनाथपुर, मढी, सोनवर्षा, खामहा, रामनगर, कन्दवा, थथारा, माझीयार कोनार, पीपरक्षा, वनपरा, पिथेपुर, रेहुता, बरती, बेला, और क्षिबौर। प्रशासन ने इन गांवों के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों से तत्काल सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।



**सड़क संपर्क हुआ प्रभावित**

बारिश के कारण सतना-पतौरा मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। वहीं, कोठी-जेतवारा-खिरसिंहपुर मार्ग पर लगना नदी का जलस्तर बढ़ने से यातायात ठप होने की कगार पर पहुंच गया। कोठी क्षेत्र में मुख्य मार्ग क्षतिग्रस्त होने से गलुआ और पवईया सहित आधा दर्जन गांवों को संपर्क कट गया। खोड़ी रोड पालदेव मार्ग पर जुगलपुर पुलिस थरकी नाले के उफान से मार्ग बाधित रहा।

**चित्रकूट: मंदाकिनी का जलस्तर घटा, राहत व पुनर्वास कार्य में जुटा प्रशासन**

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर उतरने से स्थिति सामान्य हो रही है। राघव प्रयाग घाट से पानी हट चुका है, हालांकि आरोग्यधाम का पुल अब भी जलमग्न है।

**प्रशासनिक निगरानी**

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और एसपी हंसराज सिंह चित्रकूट में ही कैप कर पुनर्वास और सफाई व्यवस्था की सतत निगरानी कर रहे हैं। प्रभावित वार्ड 4 और 5 में त्रिपाल, सूखा राशन और सूखी लकड़ी पहुंचाई जा रही है। सबूत सेवा संघ ट्रस्ट एवं सामुदायिक रसोइयों द्वारा पके हुए भोजन के पैकेट बांटे जा रहे हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा भोजन की गुणवत्ता जांची जा रही है।

**स्वास्थ्य शिविर व सफाई**

रामघाट, संतोषी अखाड़ा में ठहरे लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयां व टेबल्ट के टीके लगाए जा रहे हैं। एमपी बिरला अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं। पौष्टिक विभाग द्वारा ग्रामीण इलाकों के हैंडपंपों में क्लोरिनेशन किया जा रहा है।

**प्रशासन की एडवाइजरी**

सिमरावाल नदी तटीय गांवों को खाली करने का निर्देश, अगले 24 घंटे भारी बारिश का अलर्ट उजायुक्त (राहत) ने सतना, मैहर और रीवा कलेक्टरों को वायरलेस संदेश भेजकर अगले 24 घंटों में 115 से 204 मिलीमीटर तक भारी वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। एसडीएम रामपुर बघेलान ने प्रेस नोट जारी कर चेतावनी दी है कि बारिश और पानी की आवक बढ़ने से सिमरावाल नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

## रामघाट पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही नदी

सतना। चित्रकूट के प्रसिद्ध रामघाट स्थित मंदाकिनी नदी का जलस्तर लगातार दूसरे दिन खतरे के निशान के ऊपर बना हुआ है। सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा जारी 2 सितंबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, शाम 4 बजे तक जलस्तर 129.150 मीटर दर्ज किया गया, जो कि खतरे के स्तर (126.500 मीटर) से लगभग 2.65 मीटर ऊपर है। सुबह के समय जलस्तर में मामूली गिरावट देखी गई थी, लेकिन सुबह 9:30 बजे के बाद जल स्तर पुनः तेजी से बढ़ने लगा। दोपहर 2:30 बजे के बाद से नदी का रुख अपेक्षाकृत थम गया है और वर्तमान में जलस्तर स्थिर बना हुआ है।

**मुख्य आंकड़े व वर्तमान स्थिति-**

निम्न जलस्तर: 123.500 मीटर  
खतरे का निशान: 126.500 मीटर  
वर्तमान जलस्तर (शाम 4:30 बजे): 129.150 मीटर  
वर्तमान प्रवृत्ति : स्थिर  
सर्वोच्च जलस्तर : 135.200 मीटर (29 अगस्त 2026)

**दिनभर के मुख्य उतार-चढ़ाव**

सुबह 3 बजे: 126.950 मीटर से घटते हुए सुबह 7 बजे जलस्तर 126.300 मीटर तक पहुंचा (खतरे के निशान से नीचे)। सुबह 9:30 बजे: पुनः बढ़ोतरी शुरू हुई और जलस्तर 126.500 मीटर छूकर खतरे का निशान पार कर गया। दोपहर 12 बजे से 2 बजे: तेजी से उछाल दर्ज किया गया जलस्तर 128.100 मीटर से बढ़कर 128.900 मीटर पहुंच गया। शाम 3:30 से 4:30 बजे: जलस्तर 129.150 मीटर पर आकर थम गया है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। जलस्तर स्थिर होने से तटीय इलाकों में कुछ राहत की सांस ली गई है, फिर भी नदी खतरे के स्तर से काफी ऊपर होने के कारण घाट क्षेत्र और आसपास के इलाकों में सतर्कता बरती जा रही है।

## मंदाकिनी, सतना और तमसा नदी उफान पर कलेक्टर-एसपी ने संभाला मोर्चा

सतना। जिले में लगातार हो रही वर्षा के कारण मंदाकिनी, तमसा (टमस) और सतना नदियाँ उफान पर हैं, जिससे तटीय इलाकों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। तमसा नदी का जलस्तर खतरे के निशान 289 मीटर को पार कर 289.40 मीटर तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में 115 से 204 मिमी तक अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। खतरे को देखते हुए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सभी अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और नागरिकों को निचले तथा तटीय क्षेत्रों से दूर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से रामघाट के पास स्थित पुल क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे नयागांव, केवटर और हनुमानधारा में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई है। स्थिति को सामान्य करने के लिए



प्रशासन 21 टैंकों और बोरवेल के जरिए पानी पहुंच रहा है तथा 7 सितंबर तक जलापूर्ति पूरी तरह बहाल करने का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और एसपी हंसराज सिंह पिछले चार दिनों से चित्रकूट में उपस्थित रहकर राहत, पुनर्वास और जल निकासी कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। प्रभावित क्षेत्रों में भोजन के पैकेट, त्रिपाल और सूखा राशन बाँटा जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग और एमपी बिरला अस्पताल की टीमें लगातार स्वास्थ्य शिविर

## नगर निगम के नए आयुक्त का जलभराव निरीक्षण और राजस्व बढ़ाने पर जोर

सतना। नगर पालिक निगम के नवागत आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने पदभार ग्रहण करते ही शहर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए मैदानी मोर्चा संभाल लिया है। पहले ही दिन उन्होंने अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की तथा महापौर योगेश ताम्रकार के साथ स्वामी विवेकानंद भवन परिसर में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। लगातार अतिवृष्टि को देखते हुए महापौर एवं आयुक्त ने डालीबाबा, डीलौरा, बरदाडीह, पन्ना नाका और जिंगनहट जैसे निचले व संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को जलभराव रोकने, जलनिकासी व्यवस्था निर्बाध रखने और त्वरित कार्रवाई करने के कड़े निर्देश दिए। इसके साथ ही, बारिश के दौरान सफाई व्यवस्था सुचारु बनाए रखने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित



करने के उद्देश्य से 285 स्वास्थ्य कर्मियों को रेनकोट वितरित किए गए। शहर के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए आयुक्त डॉ. गौड़ा ने मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने मैप के जरिए ले-आउट समझा और संविदाकार को गुणवत्ता मानकों के साथ नियत समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम की आर्थिक स्थिति मजबूत

करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। महापौर योगेश ताम्रकार ने राजस्व शाखा की बैठक लेकर अधिकारियों को राजस्व वसूली में तेजी लाने तथा आय के नए स्रोत विकसित करने के निर्देश दिए। वहीं, आयुक्त डॉ. गौड़ा ने लेखा शाखा की बैठक में वित्तीय अनुशासन, आय-व्यय के संतुलन और राजस्व स्रोतों के बेहतर उपयोग पर विशेष जोर दिया।

## एन एच-30 पर खड़े बल्कर से टकराई कार, एक की मौत और 5 घायल

मैहर। लखवार गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हैदराबाद से सिद्धार्थनगर (यूपी) जा रही कार एपी 40 एमजी 4485 सड़क किनारे खड़े बल्कर ट्रक से टकरा गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद समाजसेवी विजय सिंह पटेल लखवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल



पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को गंभीर स्थिति को देखते हुए सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

## सिविल अस्पताल मैहर में हफ्तों से लिफ्ट बंद, मरीज परेशान

मैहर। सिविल अस्पताल में लिफ्ट कई हफ्तों से खराब पड़ी है, जिससे मरीजों और परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल की ऊपरी मंजिल पर जनरल, आईसीयू और डायलिसिस वार्ड मौजूद हैं, जहां पहुंचने के लिए बुजुर्गों व गंभीर मरीजों को मजबूरी में सीढ़ियों या रैंप का सहारा लेना पड़ रहा है। लाखों की लागत से बनी लिफ्ट का बंद रहना प्रबंधन की लापरवाही पर सवाल खड़े करता है। जनहित में मांग की गई है कि जिला कलेक्टर तत्काल हस्तक्षेप कर लिफ्ट दुरुस्त कराएं और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करें।



## पुत्र की दीर्घायु के लिए माताओं ने रखा हरछट का व्रत



मैहर। बुधवार को भगवान बलभद्र के जन्मोत्सव पर माताओं ने पुत्रों की लंबी उम्र के लिए हरछट का व्रत रखा। सुबह महुआ के दातून से शुरू हुए इस पावन पर्व पर महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा की और पसही के चावल, महुआ की डुमरी तथा दही का प्रसाद ग्रहण किया। श्री बलदेव जी मंदिर परिसर में पंडित मनोज चौरिहा के सानिध्य में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सामूहिक पूजन किया। इस अवसर पर सरोज गुप्ता, पूजा गुप्ता, रोशनी गुप्ता, अनारकली वर्मन, पूजा तिवारी, प्रीति और ज्योति वर्मन सहित कई श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

## प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड ने बढ़ाया मदद का हाथ, चित्रकूट के बाढ़ पीड़ितों को वितरित की राहत सामग्री

चित्रकूट/सतना। चित्रकूट क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड, मनकहरत ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए राहत सामग्री उपलब्ध कराई। हालिया बाढ़ से चित्रकूट क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित हुआ है और बड़ी संख्या में लोगों को राहत एवं सहायता की आवश्यकता पड़ी है। प्रिज्म सीमेंट के प्रेसिडेंट (एचआरएम एंड कॉरपोरेट अफेयर्स) डॉ. मनीष कुमार सिन्हा के निर्देशन में कंपनी द्वारा बाढ़ प्रभावित एवं पीड़ित परिवारों के लिए आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसमें 600 त्रिपाल, 2000 लीटर शुद्ध पानी की बोतलें, 100 तगाड़ी, 100 बेलचा सहित सफाई कार्य हेतु फायर ब्रिगेड वाहन सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल है। इसी तरह रामपुर बघेलान के बाढ़



प्रभावित क्षेत्र में प्रिज्म सीमेंट द्वारा 450 पैकेट राशन किराना सामग्री, 250 पैकेट भोजन एवं 100 त्रिपाल नग रामपुर विधायक एवं चित्रकूट में प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपी गई, ताकि इसे जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाया जा सके। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड द्वारा यह

पहल कंपनी की सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) एवं समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कंपनी का मानना है कि प्राकृतिक आपदा के कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा होना केवल सामाजिक दायित्व ही नहीं, बल्कि मानवीय कर्तव्य भी है।

## समाज सेवा में हमेशा

### आगे रहने की पहल

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत समय-समय पर जरूरतमंदों की सहायता के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियां

संचालित करती रही है। चित्रकूट एवं रामपुर बघेलान क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए की गई यह राहत पहल इसी सामाजिक प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है। कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड आपदा और विपरीत परिस्थितियों में हमेशा समाज के साथ खड़ी रही है और आगे भी जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हरसंभव सहयोग करती रहेगी। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है- प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड की यह पहल इसी भावना को सार्थक करती है। राहत सामग्री वितरण में प्रिज्म सीमेंट की ओर से उप महाप्रबंधक सीएसआर देवेन्द्र मिश्रा, प्रकाश पांडे, कृष्ण चतुर्वेदी, संजय सिंह परिहार, प्रशांत सेन ने आम भूमिका निभाई और पीड़ित व्यक्तियों तक यह सामग्री उपलब्ध कराने में अपना सहयोग प्रदान किया।

## मैहर में बुलेट चालक पर 33 हजार रुपये का जुर्माना

मैहर। यातायात पुलिस ने बीच सड़क पर जाम लगाने वाले बुलेट चालक रोहित बंसल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। रक्षाबंधन ड्यूटी के दौरान घंटाघर पर हुए इस घटनाक्रम की जांच में चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिला, साथ ही बुलेट में तेज आवाज वाला मॉडिफाईड साइलेंसर लगा था। मामला न्यायालय में पेश होने पर कोर्ट ने चालक पर 33 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। न्यायालय के आदेशानुसार पुलिस ने मॉडिफाईड साइलेंसर को मौके पर ही खुलाकार जत्त कर लिया और नियमानुसार कार्रवाई के बाद वाहन सुपुर्द किया।

खबर संक्षेप

प्रतिवर्ष की तरह हलछठ का त्यौहार हलधर के जन्मदिन को लेकर उत्साह से मनाया गया



**पन्ना।** हलछठ का वृत्त हमारी परम्परा संस्कृति के अनुसार महिलायें संतान के सुखमय जीवन को लेकर रहती है। वहीं पन्ना जिला मुख्यालय में आज का दिन हलधर के जन्मदिन को लेकर और भी रोचक हो जाता है। बल्दाउ जी मंदिर में प्रतिवर्ष की तरह ठीक 12 बजे दोपहर को बल्दाउ जी का जन्मदिन मनाया जाता है। यह उत्सव अपने आप में पन्ना के लिए अलग ही खुशी लेकर आता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि बड़े भईया हलधर के नाम से बल्दाउ जी का जन्मदिन आज के दिन दोपहर 12 बजे होता है। वहीं ठीक विपरीत समय 12 बजे रात्रि को किषोर जी मंदिर जन्माष्टमी के दिन कन्हैया का जन्मदिन जय कन्हैया लाल के नारे से गुंजेंगा। आज हरछठ का त्यौहार प्रतिवर्ष की तरह महिलाओं ने अपने संतान के सुखमय जीवन की कामना को ध्यान में रखकर रखा। साथ ही बल्दाउ जी का जन्म उत्सव भी उत्साह के साथ मनाया गया।

**श्री बालाजी की नगरी गुनौर में जगन्नाथ पुरी की साइकिल यात्रा कर लौटे दोनों भाइयों का भव्य स्वागत**



**गुनौर।** धार्मिक सद्भाव और लोक कल्याण की कामना के साथ पन्ना जिले के गुनौर (गुनौर) से जगन्नाथ पुरी धाम के लिए साइकिल यात्रा पर गए दो सगे भाइयों का आज नगर आगमन पर स्थानीय श्रद्धालुओं और नगरवासियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। जानकारी के अनुसार, गुनौर के रहने वाले प्रमोद कोरी और विनोद कोरी ने बीते 10 अगस्त को श्री बालाजी सरकार मंदिर से अपनी इस बेहद कठिन और श्रद्धापूर्ण साइकिल यात्रा की शुरुआत की थी। दोनों भाई भगवान जगन्नाथ स्वामी के दर्शन कर आज सकुशल अपनी गृह नगर यानी बालाजी की नगरी गुनौर वापस लौटे। तिलक लगाकर और पुष्पहारों से हुआ अभिनंदन-दोनों भाइयों के नगर की सीमा में प्रवेश करते ही वहाँ मौजूद श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला कांग्रेस कमिटी पन्ना के महासचिव कुलदीप सिंह डिघौरा सहित नगर के गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। जय जय जगन्नाथ स्वामी के जयघोष और धार्मिक नारों के बीच कुलदीप सिंह डिघौरा एवं नगरवासियों ने दोनों भाइयों का तिलक लगाकर, रोली-अक्षत अर्पित कर और पुष्पहार पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस यात्रा के सफल समापन पर क्षेत्र के लोगों ने दोनों भाइयों की भक्ति और जज्बे की सराहना की है। नगरवासियों का कहना है कि इतनी लंबी दूरी साइकिल से तय कर भगवान जगन्नाथ के दर्शन करना और सकुशल वापस लौटना पूरे क्षेत्र के चहुँमुखी विकास का मार्ग प्रसरण करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें ग्रामीणी की समस्याओं से रूबरू होने तथा पुनर्वासि कार्यों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए भेजा है, ताकि पुनर्वासि का कार्य ज

# मोली-भाली महिलाओं को ऋण दिलाने का झांसा देकर 24.69 लाख की धोखाधड़ी करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

**पुलिस द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर महिलाओं के नाम पर ऋण राशि हड़पने वाले आरोपी को दमोह जिले से किया गिरफ्तार**

**अमानगंज।** पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में जिले में आर्थिक अपराध एवं धोखाधड़ी के प्रकरणों में आरोपियों की धरपकड़ हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना सिंह एवं एसडीओपी श्री राजीव भदौरिया के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी अमानगंज निरीक्षक हेमंत कुमार नायक के नेतृत्व में थाना अमानगंज पुलिस टीम ने गरीब एवं भोली-भाली महिलाओं को ऋण दिलाने का लालच देकर उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। 58 महिलाओं के साथ की गई धोखाधड़ी दिनांक 21.06.2026 को आवेदक श्रीकांत पटेल, निवासी ग्राम पोला, थाना मझौली, जिला जबलपुर, हाल सोनाटा फाइनंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी अमानगंज द्वारा थाना अमानगंज में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन में सोनाटा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, शाखा अमानगंज के तत्कालीन शाखा प्रबंधक हेमंत पटेल, भरत निषाद एवं फील्ड स्टाफ बीआरओ गुरुप्रसाद कुर्मी तथा ऊषा दहायत द्वारा समूह की गरीब महिलाओं को ऋण देने का प्रलोभन देकर उनके आधार कार्ड, वोटर कार्ड, बैंक पासबुक एवं



अन्य दस्तावेज प्राप्त करने तथा उनके नाम पर ऋण स्वीकृत कर ऋण राशि महिलाओं के खातों में जमा न कराकर स्वयं अथवा अपने रिश्तेदारों/परिचितों के खातों में हस्तांतरित कर गबन करने

संबंधी शिकायत की गई थी। मामले की जांच के दौरान आवेदक सहित समूह की 58 महिला सदस्यों के कथन लिए गए। जांच में पाया गया कि आरोपियों द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुए

महिलाओं के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर ऋण राशि अन्य खातों में हस्तांतरित की गई। इस प्रकार कुल 24,69,935/- (चौबीस लाख उनहत्तर हजार नौ सौ पैंतीस रुपये) की धोखाधड़ी एवं गबन किया जाना पाया गया। दौरान जाँच थाना अमानगंज में अपराध क्रमांक 386/2026, धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास करते हुए प्रकरण के मुख्य आरोपी एवं सोनाटा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड शाखा अमानगंज के तत्कालीन शाखा प्रबंधक भरत उर्फ भारत निषाद पिता स्व. जमुना प्रसाद निषाद, उम्र 35 वर्ष, निवासी बड़े जैन मंदिर के पास, गैसाबाद, थाना गैसाबाद, जिला दमोह को गैसाबाद, जिला दमोह से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि अपने साथियों के साथ मिलकर अमानगंज में सोनाटा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कार्य करते हुए गांव की महिलाओं को ऋण दिलाने का प्रलोभन देकर उनके आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज प्राप्त करना तथा उनके नाम पर ऋण लेकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर ऋण की राशि अपने संबंधियों एवं स्टाफ के खातों में डलवाना बताया गया। आरोपी द्वारा कुल 58 महिलाओं के नाम पर लगभग 24.69 लाख रुपये की धोखाधड़ी करना स्वीकार किया गया है। प्रकरण में अन्य आरोपियों की भूमिका एवं राशि के लेन-देन के संबंध में पुलिस द्वारा विस्तृत विवेचना की जा रही है।

## पुलिस ने गुनौर थाना क्षेत्र में किसानों के खेतों से मोटर केबल चोरी करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

**'आरोपियों के कब्जे से चोरी किये गये मोटर केबल से निकले तार बरामद'**

**गुनौर।** पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान के मार्गदर्शन में जिले में चोरी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने तथा आरोपियों की धरपकड़ हेतु एक विशेष अभियान चालाया जा रहा है। अभियान के तहत थाना गुनौर में दर्ज अपराध क्रमांक 270/2026, धारा 303(2) बीएनएस में पुलिस ने खेतों में लगी मोटर की केबल काटकर चोरी करने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। दिनांक 24-25 अगस्त 2026 की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों द्वारा ग्राम धनोखर एवं आसपास के खेतों में लगी मोटरों की केबल काटकर चोरी कर ली गई थी। मामले में फरियादी कमलभान पटेल द्वारा थाना गुनौर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस द्वारा मामले में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध चोरी का प्रकरण कायम किया जाकर विवेचना शुरू की गई थी। विवेचना के दौरान पुलिस टीम को जानकारी मिली की विभिन्न किसानों के खेतों से अज्ञात चोरो द्वारा कुल 615 फीट



लम्बी मोटर केबल कीमती करीब 30750 रूपये की चोरी की गई है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशानुसार थाना प्रभारी गुनौर उपनिरीक्षक बलबीर सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर एक पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के उचित दिशा निर्देशन में अज्ञात आरोपियों की तलाश पतारसी एवं चोरी गये मशरूका की बरामदगी हेतु लगातार प्रयास किये गये एवं अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया।

जिसके फलस्वरूप पुलिस टीम को मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि उक्त मामले में 02 संदिग्ध व्यक्ति शामिल होने की पूर्ण संभावना है। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताये अनुसार दोनो संदेहियो को पुलिस अभिरक्ष्ा में लिया जाकर पूछताछ की गई जो आरोपियों द्वारा अपने अपने नाम पता पुलिस टीम को बताये गये । घटना के संबंध में कड़ाई से पूछताछ किये जाने पर संदेहियों द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के बताये अनुसार

आरोपियों के कब्जे से घटना में चोरी किये गये मोटर केबल से निकाले गये तार बरामद किये जाकर दोनो आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। जिन्हे माननीय न्यायालय में पेश किया जाकर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार जेल दाखिल किया गया है।

**गिरफ्तार आरोपी-**

पुलिस टीम द्वारा मामले में आरोपी अनीष खान पिता सुखलाल खान उम्र 28 वर्ष निवासी धनोखर, थाना गुनौर जिला पन्ना एवं नियाज मोहम्मद पिता मोहम्मद तालिफ उम्र 29 वर्ष निवासी गौरईया थाना कोटर, जिला सतना को विधिवत गिरफ्तार किया गया है ।

**जप्त सामग्री-**

पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के बताये अनुसार आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई मोटर केबल से निकाले गये तार बरामद कर विधिवत जप्त किए गए हैं ।

**सराहनीय योगदान-**

उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी गुनौर उा निरीक्षक बलबीर सिंह, सजिन कुंज बिहारी कोल, प्र आर राजेश सिंह, मुकेश शर्मा, आर.नीलेश प्रजापति, श्याम एवं अन्य थाना स्टॉफ का सराहनीय योगदान रहा ।

## 23 घंटे बाद चकदही घाट में मिला सुशील सोनी का शव

**मिढासन नदी के पुल से लगाई थी छलांग, पुलिस-एसडीआरएफ की लगातार तलाश के बाद बुधवार सुबह बरामद हुआ शव**  
**अमानगंज।** मिढासन नदी के पुल से छलांग लगाने वाले 32 वर्षीय सुशील सोनी का शव करीब 23 घंटे बाद बुधवार सुबह चकदही घाट में नदी से बरामद हुआ। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुई घटना के बाद से ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम युवक की तलाश में जुटी हुई थी। बुधवार सुबह चकदही घाट के पास नदी में शव तैरता दिखाई देने के बाद टीम ने उसे बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार अमानगंज के वार्ड नंबर 8 निवासी सुशील सोनी, पिता कैलास सोनी ने मंगलवार सुबह मिढासन नदी के पुल से छलांग लगा दी थी। घटना के बाद उसका मोबाइल पुल पर मिला। सूचना मिलते ही अमानगंज थाना प्रभारी हेमंत नायक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पन्ना से एएसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। एसडीआरएफ की टीम ने चकदही घाट से लेकर



गया कि सुशील के पिता कैलास सोनी अमानगंज तहसील कार्यालय में पदस्थ रहे हैं और कुछ माह पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं। करीब एक वर्ष पहले बीमारी के चलते उसकी मां का भी निधन हो गया था। अब बेटे की मौत से परिवार पर एक बार फिर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सुशील की शादी करीब दो वर्ष पहले सतना में हुई थी। वह परिवार का बड़ा बेटा था। उसका छोटा भाई मनीष सोनी कन्या शाला के पास सोने-चांदी की दुकान संचालित करता है। वहीं सुशील भी भरभुंजा



आटा चक्की के पास सोने-चांदी की दुकान चलाकर परिवार का पालन-पोषण कर रहा था। इससे पहले वह सहारा बैंक में नौकरी कर चुका था। स्थानीय लोगों के अनुसार सुशील मिलनसार, हंसमुख और धार्मिक प्रवृत्ति का युवक था। वह धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता था और जरूरत के समय लोगों की मदद के लिए आए रहता था। उसकी अचानक मौत की खबर से परिवार के साथ परिचितों और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

## जिले के गुनौर क्षेत्र में भारी बारिश का कहर उड़द और तिल की फसलें पूरी तरह बर्बाद, कुलदीप सिंह डिघौरा ने की मुआवजा और कर्ज माफी की मांग

**गुनौर-** मध्य प्रदेश के पन्ना जिले अंतर्गत आने वाली गुनौर के ग्रामीण इलाकों में पिछले दिनों हुई अल्ट्राधिक और लगातार बारिश ने किसानों की कमर तोड़कर रख दी है। क्षेत्र के अधिकांश गांवों में जलभराव और खेतों में पानी जमा रहने के कारण खरीफ सीजन की मुख्य फसलेंकूउड़द और तिलकुपूरी तरह से सड़कर खराब हो चुकी हैं। खेतों में खड़ी फसलें पीली पड़ चुकी हैं और पौधों की जड़ें गलने से उत्पादन की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो गई है। किसानों की इस बर्दहाली और भारी आर्थिक नुकसान को लेकर जिला कांग्रेस कमिटी पन्ना के महासचिव कुलदीप सिंह डिघौरा ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर सरकार से अन्नदाताओं को तुरंत राहत देने की बात कही है। खेतों में सड़ गई फसल, कुलदीप सिंह ने सरकार को चेताया कुलदीप सिंह डिघौरा ने क्षेत्र की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अधिक वर्षा के कारण उड़द की फलियां खेतों में ही काली पड़ गई हैं और तिल के पौधे नष्ट हो गए हैं। स्थिति इतनी गंभीर है



कि लागत निकालना तो दूर, मवेशियों के चारे के लिए भी कुछ नहीं बचा है। किसानों के सिर पर अब बैंकों और साहूकारों के कर्ज का भारी बोझ मंडरा रहा है, जिससे पूरा ग्रामीण क्षेत्र गहरे आर्थिक संकट में डूब गया है। उन्होंने सरकार को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा है कि, प्सरकार जल्द से जल्द प्रभावित खेतों का सर्वे करा कर किसानों को उचित मुआवजा प्रदान करे। अगर शासन-प्रशासन ने अन्नदाताओं को उनका हक देने में देरी की, तो हम किसानों के साथ सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे। कुलदीप सिंह डिघौरा द्वारा की गई प्रमुख मांगें महासचिव कुलदीप सिंह ने किसानों की आवाज बुलंद करते हुए शासन-प्रशासन के सामने निम्नलिखित

## बुंदेलखंड की तस्वीर और तकदीर बदलने वाली देश की पहली नदी जोड़े परियोजना है केन-बेतवा लिंक परियोजना: मंत्री श्री सिलावट

**जल संसाधन मंत्री ने पुनर्वासि स्थल करौंदिया पहुंचकर हितग्राहियों से किया संवाद, निर्माणाधीन मकानों का किया निरीक्षण ग्रामीणों के बीच बैठकर मंत्री ने सुनी समस्याएं**

**पन्ना।** जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने गत दिवस केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत पुनर्वासि स्थल करौंदिया का भ्रमण कर पुनर्वासित परिवारों से संवाद किया। उन्होंने निर्माणाधीन मकानों का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं, प्राप्त मुआवजा एवं पुनर्वासि राशि की जानकारी ली। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना बुंदेलखंड की तस्वीर और तकदीर बदलने वाली देश की पहली नदी जोड़े परियोजना है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का स्वप्न, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अथक प्रयास इस क्षेत्र के चहुँमुखी विकास का मार्ग प्रसरण करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें ग्रामीणी की समस्याओं से रूबरू होने तथा पुनर्वासि कार्यों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए भेजा है, ताकि पुनर्वासि का कार्य ज



अपेक्षाओं के अनुरूप हो और परियोजना का निर्माण उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा किया जा सके। मंत्री श्री सिलावट ने भ्रमण के दौरान अनुसूचित जनजाति के एक परिवार के घर पहुंचकर महिला उमा आदिवासी से आत्मीयता से पूछा कि भोजन में क्या बनाया है। महिला ने रोटी बनाए जाने की बात बताई। इस पर मंत्री ने परिवार के साथ बैठकर आम के अचार के साथ

रोटी खाई। उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर प्राप्त मुआवजा एवं पुनर्वासि राशि के संबंध में चर्चा की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति पात्र हैं, वो पुनर्वासि पैकेज की राशि से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए तथा करौंदिया में पुनर्वासित परिवारों को सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं

शीघ्र उपलब्ध कराई जाएं। बताया गया कि पुनर्वासि स्थल पर बिजली के खंभे लगाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। पेयजल व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए एक अतिरिक्त नलकूप भी सुनिश्चित कराया जाएगा। पुनर्वासि स्थल पर बिजली, पेयजल, सड़क सहित सभी स्थायी मूलभूत सुविधाओं का विकास शीघ्र पूरा किया जाएगा। मंत्री श्री सिलावट ने महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों से भी बातचीत की तथा उनके स्वास्थ्य और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव और पूरी सरकार पुनर्वासित परिवारों के साथ है। शासन-प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि विस्थापित परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। मंत्री ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रदेश के 10 जिले लाभान्वित होंगे और बुंदेलखंड के विकास को नई गति मिलेगी। परियोजना अंतर्गत उत्तर प्रदेश के कुल 4 जिले भी लाभान्वित होंगे, जिसमें 10.62 लाख हेक्टेयर प्रति वर्ष सिंचाई की सुविधा किसानों को मिलेगी। इससे 62 लाख लोगों के लिए पेयजल की सुविधा मिलेगी। साथ ही 103 मेगावॉट जल विद्युत एवं 27 मेगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा। जल संसाधन मंत्री ने भ्रमण के दौरान खजुराहो में जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक चर्चा भी की। इसमें गुनौर विधायक डॉ. राजेश कुमार वर्मा भी शामिल हुए।



खबर संक्षेप

उर्वरक वितरण में लापरवाही पर कलेक्टर ने उप संचालक कृषि को कारण बताओ नोटिस जारी किया

छतरपुर। कलेक्टर मृणाल मीना ने उर्वरक वितरण व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर उप संचालक कृषि अनिल कुमार निश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। 2 सितंबर 2026 को आयोजित टी.एल. बैठक के दौरान उर्वरक वितरण की समीक्षा में पाया गया कि उर्वरक वितरण से संबंधित ऑनलाइन एंट्री नहीं कराई गई थी। साथ ही भगवां तहसील के घुवारा क्षेत्र में अतिरिक्त उर्वरक कूपन वितरित किए गए, लेकिन संबंधित किसानों को उर्वरक उपलब्ध नहीं कराया गया। कलेक्टर ने इसे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों एवं शासनदेशों की अवहेलना तथा पदीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता और स्वेच्छाचारिता मानते हुए संबंधित अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है। जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के उपनियम (1), (2) एवं (3) के तहत गंभीर कदाचरण तथा मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 10 के तहत दण्डनीय है। उप संचालक कृषि अनिल कुमार मिश्रा को 7 सितंबर 2026 को शाम 4 बजे कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर अपना लिखित उत्तर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समयवाधि में उत्तर प्राप्त नहीं होने अथवा उत्तर संतोषप्रद नहीं पाए जाने की स्थिति में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सीएम हेलपलाइन की शिकायतों पर लापरवाही, 16 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

24 शिकायतें नॉन-अटेंडेड पाए जाने पर कलेक्टर ने दिे नोटिस जारी करने के निर्देश छतरपुर। सीएम हेलपलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने और शिकायतों को समय-सीमा में अटेंड नहीं करने पर कलेक्टर मृणाल मीना ने टीएल बैठक में संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 24 शिकायतें नॉन-अटेंडेड पाई गईं। इन शिकायतों के संबंध में 16 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें विकासखंड शिक्षा अधिकारी छतरपुर व्योम जॉर्ज, संस्थागत वित्त रीजनल मैनेजर प्रताप सिंह धाकड़, वैभव रावेल, बीआरसीसी बक्सवाहा चन्द्रविजय देव सिंह बुंदेला, बीआरसीसी राजनगर अतुल कुमार चतुर्वेदी, प्रशिक्षण अधिकारी/प्रभारी प्राचार्य डी.पी लखेरा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गौरिहार मनरेगा भारती ठाकुर, परिक्षेत्र अधिकारी वन विभाग अम्बुज नयन पाण्डेय, बीएमओ बारीगढ़ एस.के प्रजापति, सीएमओ सर्टई माधुरी शर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी नौगांव महेंद्र प्रताप अहिरवार, डेयरी प्रबंधक/एम.आई.एसए) योशिया मुकाती, संस्थागत वित्त रीजनल मैनेजर अनिरुद्ध बहेदी, रीजनल मैनेजर इंडिया ओवरसीज बैंक श्रीधरन डॉ. पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. ब्रजेश कोरकू तथा रीजनल मैनेजर कोटक महेंद्रा बैंक ललित शर्मा शामिल हैं।

आईईएमएस 2.0 के प्रशिक्षण में अधिकारी-कर्मचारी होंगे शामिल

3 सितंबर को दोपहर 2 से 4 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगा प्रशिक्षण छतरपुर। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल के निर्देशानुसार निर्वाचन प्रबंधन प्रणाली आईईएमएस 2.0 के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण 3 सितंबर 2026 को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित होगा। आईईएमएस 2.0 की आईईएमएस 1.0 की निर्वाचन प्रबंधन संबंधी विशेषताओं को शामिल करते हुए विकसित किया गया है। नई प्रणाली में इंटरफ़ेस को अधिक स्पष्ट एवं प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। साथ ही सुविधाजनक प्रपत्रों की प्रिंटिंग सहित विभिन्न नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। प्रशिक्षण में पोर्टल के उपयोग एवं उसकी तकनीकी विशेषताओं के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

# माई ने शराब के नशे में बड़े माई के चेहरे पर बियर की बोतल से किया वार, 15 टांके आए

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के नया चन्द्रपुरा गांव में एक दर्दनाक पारिवारिक हिंसा की घटना सामने आई है। यहां रहने वाले ग्रहण आदिवासी के साथ उनके ही छोटे माई दुनिया आदिवासी ने शराब के नशे में बियर की बोतल से चेहरे पर जोरदार वार कर दिया। इस हमले में ग्रहण आदिवासी का चेहरा बुरी तरह कट गया और अस्पताल में लगभग 15 टांके लगाने पड़े।



आदिवासी के दामाद अपनी पत्नी यानी ग्रहण की बेटी को लेने घर आए थे। छोटी उम्र का दुनिया आदिवासी अपने दामाद को

आदिवासी पर दुनिया आदिवासी ने बियर की बोतल से चेहरे पर प्रहार कर दिया। शराब के नशे में किया गया यह हमला इतना भीषण था कि पीड़ित का चेहरा तुरंत खून से लथपथ हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित की पत्नी ने सिविल लाइन थाने में अपने देवर दुनिया आदिवासी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि दामाद बेटी को लेने आए थे और उसी दौरान यह खूनी झगड़ा भड़क उठा। परिवार में शराब और आपसी विवाद के कारण यह घटना हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उनके चेहरे के घावों पर करीब 15 टांके लगाए। गांव में इस घटना की चर्चा जोरों पर है और लोग परिवार के अंदर शराब के नशे में ही रही हिंसा को लेकर चिंतित हैं।

## बारिश से कच्ची दीवार ढही, मलबे में दबकर 18 वर्षीय युवती गंभीर घायल

चंदला। क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच हादसों का सिलसिला शुरू हो गया है। ग्राम भगौरा में बारिश के पानी से सीलन के कारण एक मकान की कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के दौरान पास में मौजूद 18 वर्षीय युवती दीवार के मलबे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई।



डायल 112 की मदद से अस्पताल पहुंचाया

घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल गुडिशा को उपचार के लिए शासकीय

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदला पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से कच्चे और जर्जर मकानों से दूरी बनाए रखने तथा बारिश के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

## बारिश में बढ़ा सर्पदंश का खतरा, जिला अस्पताल में पहुंचे आधा दर्जन मरीज; 9 साल के बच्चे की मौत

छतरपुर

बारिश के मौसम में सर्पदंश की घटनाओं में तेजी से इजाफा हो जाता है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में सांपों के घरों में घुसने और लोगों को काटने के मामले सामने आ रहे हैं। बुधवार को जिला अस्पताल में सर्पदंश के करीब आधा दर्जन मामले पहुंचे। इनमें एक 9 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि अन्य मरीजों का उपचार जारी है।



राजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बिला निवासी मयंक अहिरवार (9), पिता राजेश अहिरवार, बुधवार सुबह घर में खेल रहा था। इसी दौरान उसे जहरीले सांप ने काट लिया। सर्पदंश के बाद परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्चे को

मृत घोषित कर दिया। वहीं, मातृगृवां थाना क्षेत्र के नंदगांव निवासी जयबाई रैकवार को बुधवार सुबह करीब 5 बजे सोते समय जहरीले सर्प ने काट लिया। सर्पदंश के बाद परिजन उन्हें अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़ू-फूंक कराने के लिए ले गए। हालत

में सुधार नहीं होने पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। इसी तरह नंदगांव की ही रहने वाली रूपा आदिवासी पत्नि रामचरन आदिवासी उम्र 35 वर्ष को घर पर सांप ने काट लिया। इसके बाद परिजनों उन्हें इलाज के लिए जिला

अस्पताल लाए जहां उनका इलाज जारी है। लगातार हो रही बारिश के बीच सर्पदंश की घटनाएं बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों में डर का माहौल है। चिकित्सकों ने सर्पदंश की स्थिति में झाड़ू-फूंक के बजाय मरीज को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की अपील की है।

नौगांव में पहली बार भव्य स्तर पर होगा आयोजन, शोभायात्रा के साथ मटकी फोड़ और प्रतिभाओं का सम्मान

# जन्माष्टमी शोभायात्रा को लेकर गांव-गांव पहुंच रहा युवा यादव महासभा का दल

नौगांव। भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नौगांव नगर में पहली बार भव्य स्तर पर आयोजित होने वाली शोभायात्रा और मटकी फोड़ कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए युवा यादव महासभा एवं श्रीकृष्ण जन्म उत्सव समिति के युवा कार्यकर्ता क्षेत्र के गांव-गांव पहुंचकर लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं। आयोजकों के मुताबिक 6 सितंबर, रविवार को दोपहर 12 बजे मनसा देवी मंदिर से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए मानस भवन मेला ग्राउंड पहुंचेगी, जहां विशाल मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया जाएगा। शोभायात्रा को आकर्षक बनाने के लिए हाथी-घोड़ों के साथ भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न झांकियां शामिल की जाएंगी। आयोजन समिति ने बड़ी संख्या में ब्राह्मलुओं और



युवाओं के शामिल होने की उम्मीद जताई है।

राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों को किया आमंत्रित

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में शामिल होने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। इनमें यादव महासभा

के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश यादव, सहकारी बैंक अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, सचिन यादव, पूर्व मंत्री दीप नारायण सिंह यादव, पूर्व विधायक ललिता यादव, छतरपुर विधायक रंखा यादव, पूर्व विधायक एवं मानव आयोग अध्यक्ष हर्ष यादव, पूर्व मंत्री पुष्पेंद्र यादव सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हैं।कार्यक्रम की तैयारियों में श्रीकृष्ण जन्म उत्सव समिति के अध्यक्ष मोहन सिंह यादव के साथ शैलेंद्र सिंह टिंकू यादव, शिवम यादव, पुष्पेंद्र यादव, जिला पंचायत सदस्य ऋषिराज यादव, जितेंद्र यादव, पार्षद सीताराम यादव, डॉ. आईपी सिंह सहित बड़ी संख्या में युवा साथी जुड़े हुए हैं। समिति के युवा कार्यकर्ता लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों से शोभायात्रा में शामिल होने की अपील कर रहे हैं। आयोजकों का कहना है कि इस वर्ष भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व को भव्य और यादगार बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर आयोजन किया जा रहा है।

छतरपुर की बदहाल सड़कों और आवारा पशुओं की समस्या को लेकर युवा सेवादल ने कलेक्टर को सौंपा झापन



छतरपुर। शहर की बदहाल सड़कों, आवारा पशुओं के जमावड़े और नगर पालिका की उपेक्षापूर्ण कार्यप्रणाली को लेकर बुधवार को कांग्रेस युवा सेवादल के कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर एवं एसडीएम को झापन सौंपा। जिला अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में हुए प्रतिनिधिमंडल ने नगर की उच्चतम समस्याओं पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की मांग की है। सौंपे गए झापन में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में बारिश का मौसम चल रहा है और आने वाले समय में लगातार त्योंहारी की शुरुआत होने वाली है, जिससे शहर में लोगों का आवागमन और भीड़भाड़ बढ़ेगी। ऐसे में बस स्टैंड से लेकर पन्ना नाके तक का पूरा मार्ग उखड़ा हुआ है और जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं। बार-बार ध्यान आकर्षित कराने के बावजूद सड़क की केवल अस्थायी मरम्मत की जा रही है, जो तेज बारिश और भारी वाहनों के दबाव में बह जाती है। खस्ताहाल सड़क के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। झापन के माध्यम से मांग की गई है कि बस स्टैंड से पन्ना नाका मार्ग पर जल्द से जल्द पक्की और गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण कराया जाए। इसके अलावा शहर और हाईवे पर घूम रहे आवारा पशुओं के कारण बढ़ते हादसों को रोकने के लिए गौशालाओं का निरीक्षण कर पशुओं को सुरक्षित गौशाला पहुंचाया जाए तथा वाहनों व मोटरवेलों में टीम गठित कर पशुओं के स्थानांतरण के निर्देश जारी किए जाएं। सेवादल ने बंद पड़े सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था सुदृढ़ करने की भी मांग की है ताकि आमजन व महिलाओं को होने वाली परेशानी से राहत मिल सके। झापन सौंपते समय यंग विंगेड सेवादल के तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कमी भी हो सकती है गंभीर वाहन दुर्घटना, जिम्मेदार कोन

## जर्जर वैकल्पिक मार्ग दे रहा सड़क हादसों को आमंत्रण

राजनगर से छतरपुर मार्ग स्थित निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के कारण परिवर्तित मार्ग का मामला

खतरा उठाकर सड़क के गड्ढों पर हिचकोले लेकर चल रहे हैं वाहन

खजुराहो। छतरपुर से वाया विक्रमपुर होकर राजनगर पहुंच मार्ग पर ग्राम पाय स्थित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य के चलते राहगीरों के लिए बनाया गया वैकल्पिक मार्ग अब लोगों के लिए सुविधा की बजाय जी का जंजाल बन गया है। इस रास्ते की हालत इतनी खस्ता हो चुकी है कि यहां से सुरक्षित गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं है, सड़क की बदहाली और बड़े-बड़े गड्ढों के कारण यहां आए दिन लंबा जाम लग रहा है, जिससे आम जनता,यात्रियों के साथ राहगीरों और वाहन चालकों का भारी समय बर्बाद हो रहा है और उन्हें मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रात के अंधेरे और बारिश में बन जाता है खतरे का मार्ग

दिन के उजाले में जहां भारी ट्रैफिक के कारण रेंगते हुए निकलना पड़ता है, वहीं रात



के समय इस मार्ग से आना-जाना पूरी तरह से खतरनाक हो जाता है। उक्त सड़क मार्ग पर खतरेदार बड़े बड़े जानलेवा गड्ढे हो गए हैं, गड्ढों में पानी भरने तथा रोशनी के अभाव में वाहन चालकों को गड्ढों का अंदाजा ही नहीं लग पाता। हल्की सी बरसात होते ही स्थिति और भी भयावह हो जाती है,सड़क पर जलभराव और कीचड़ के कारण आए दिन गाड़ियों फंस जाती हैं। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने और गिरने का सिलसिला लगातार जारी है,

जिससे हर समय एक बड़े एक्सीडेंट का खतरा मंडराता रहता है।

प्रशासन की अनदेखी और उठते गंभीर सवाल

प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही वाले इस अहम रास्ते की यह दुर्दशा निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। मौके की तस्वीरें खुद बयां कर रही हैं कि किस तरह यह

## खेत में पानी का पंप चलाते समय महिला को लगा करंट, मौत



छतरपुर।

नौगांव थाना क्षेत्र की चौकी राजापुरवा निवासी 58 वर्षीय विमला पटेल की खेत में करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के समय महिला खेत पर अकेली थी और जानवरों के लिए हौदी में पानी भरने के लिए पानी का पंप चला रही थी। परिजनों के अनुसार, पंप चलाते समय अचानक महिला करंट की चपेट में आ गई। खेत पर उस समय कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिसके कारण महिला काफी देर तक करंट के संपर्क में रही और मौके पर ही अचेत होकर गिर गई। बाद में परिजन खेत पर पहुंचे तो महिला को अचेत अवस्था में देखकर निजी वाहन से छतरपुर के महोबा रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने महिला को जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इसके बाद परिजन आनन-फानन में महिला को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। इमरजेंसी में मौजूद डॉ. रोशन द्विवेदी ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के अनुसार, करंट लगने के कारण महिला का शरीर पूरी तरह अकड़ गया था। महिला के शव को जिला अस्पताल की मर्चुरी में रखवा दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।





# रीवा-सीधी मार्ग पर मौत की टक्कर, बल्कर ने बस को सामने से मारी टक्कर 5 की मौत, 20 से ज्यादा घायल

रीवा। विंध्य क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के बीच बुधवार शाम रीवा-सीधी मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। गुढ़ थाना क्षेत्र के बंदवार मोड़ के समीप शाम करीब 4:30 बजे रीवा से सीधी जा रही पवन ट्रेवल्स की यात्री बस और सामने से आ रहे बल्कर के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।खबर लिखे जाने तक प्रशासन की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे में 5 लोगों की मौत हुई है, जबकि 20 से अधिक यात्री घायल बताए गए हैं। हालांकि खबर

लिखे जाने तक मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी थी। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में 17 घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है, जिनमें एक की मौत होने की जानकारी सामने आई है। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को आईसीयू में रखा गया है। इनमें करीब 6 वर्ष के एक मासूम के भी शामिल होने की जानकारी है। जानकारी के मुताबिक पवन ट्रेवल्स की बस क्रमांक MP19 P 1501 बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे रीवा बस स्टैंड से सीधी के लिए रवाना हुई थी। बस में करीब 25 से 35 यात्री सवार होने की बात सामने आई है। लगभग एक घंटे बाद बंदवार मोड़ के समीप तेज

रफ्तार बस सामने से आ रहे बल्कर क्रमांक NL01 AL 9213 से टकरा गई। हरिभूमि से बातचीत के दौरान घायल यात्री पुनीत शुक्ला, निवासी बघोर, सीधी ने बताया कि बस सामान्य रूप से सीधी की ओर जा रही थी। इसी दौरान बल्कर अचानक अपनी दिशा छोड़कर विपरीत दिशा में आ गया और बस को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बारिश के कारण सड़क पर फिसलन थी और बल्कर तेज गति में था। चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका और हादसा हो गया। हादसे के बाद बड़ी संख्या में घायलों को उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी

अस्पताल लाया गया। चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफ की टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया। कुछ घायलों को गुढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी उपचार दिया गया।**10**खबर लिखे जाने तक संजय गांधी अस्पताल में भर्ती घायलों में सुजीत कुमार गुप्ता,अनिल साकेत पिता का नाम जगजीवन प्रसाद साकेत उम्र लगभग 26 वर्ष, मऊगंज,श्रीमती मनबसुआ साकेत पति रामाधार साकेत, उम्र 40 वर्ष निवासी बड़खरा चुरहट, सबौना बेगम पत्नी इब्राहिम मोहम्मद निवासी सीधी, रामपाल पटेल निवासी बिठौली,प्रंजलि पटेल पिता रामपाल पटेल, निवासी बिठौली,विजेन्द्र कुमार पटेल पिता

गंगा प्रसाद पटेल, निवासी अमिलिया,मोहम्मद अंसारी पिता मुजाफिर उम्र 35 वर्ष, निवासी बघोर, शिवानी पटेल पिता रामपाल पटेल, उम्र 19 वर्ष ग्राम टकटैया (चुरहट),मो. इमरान रजा अंसारी पिता मो. इब्राहिम, उम्र 18 वर्ष,मो. इब्राहिम पिता रोजन उम्र 32 वर्ष,संजू पटेल पिता रामचरित पटेल, उम्र 28 वर्ष, डिहली ग्राम अमिलिया,श्यामबाबू निवासी त्योंथर ,पुनीत शुक्ला पिता बसंतलाल शुक्ला, उम्र 33 वर्ष, निवासी बघोर,गीता पटेल,धीरज उम्र लगभग 12 वर्ष, इनमें सुजीत कुमार गुप्ता, गीता पटेल और करीब 12 वर्षीय धीरज को गंभीर स्थिति के चलते

आईसीयू में भर्ती किए जाने की जानकारी है। वहीं करीब 6 वर्षीय एक बच्चे के हाथ-पैर में फ्रैक्चर होने की बात भी सामने आई है। वहीं हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि प्रशासन की ओर से की गई है। हालांकि खबर लिखे जाने तक मृतकों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए थे। पुलिस और प्रशासन द्वारा मृतकों की पहचान की जा रही है तथा परिजनों से संपर्क करने की प्रक्रिया जारी है,अस्पताल परिसर में घायलों के परिजन और परिचितों की भीड़ जुटी रही। हादसे की खबर मिलने के बाद कई परिवार अपने लोगों की जानकारी लेने अस्पताल पहुंचे।



## टक्कर के बाद खेत में पलट गई बस

बल्कर की टक्कर से बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा पलटी। हादसे के बाद बस के भीतर फंसे यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने पुलिस और राहत दल के पहुंचने से पहले ही कई यात्रियों को बस से बाहर निकालने का प्रयास शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही गुढ़ थाना प्रभारी पुष्पेंद्र यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद प्रशासन की टीमों ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया और घायलों को एंबुलेंस सहित अन्य वाहनों से अस्पताल पहुंचाया गया।

## बस के परमिट और वाहनों के दस्तावेजों की भी होगी जांच

भीषण हादसे के बाद प्रशासन ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर बल्कर के अपनी दिशा से हटकर विपरीत दिशा में आने की बात सामने आई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने भी बल्कर की तेज गति और बारिश के कारण सड़क पर फिसलन की बात कही है। हालांकि इन तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी। प्रशासन द्वारा दुर्घटनाग्रस्त बस और बल्कर के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। बस के परमिट, फिटनेस, बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों और वाहन से जुड़े तकनीकी पहलुओं की भी जांच किए जाने की बात सामने आई है। दुर्घटना के

वास्तविक कारणों और किसी स्तर पर लापरवाही हुई या नहीं, इसका पता जांच के बाद चलेगा।

## रोजाना लंबा सफर तय करती है बस

बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त पवन ट्रेवल्स की बस रीवा से होकर चुरहट, बघोर, सीधी, पटपरा और अमिलिया तक संचालित होती है। बस प्रतिदिन करीब 240 किलोमीटर का सफर तय करती है। हादसे के बाद अब बस के संचालन, परमिट, फिटनेस और अन्य सुरक्षा मानकों को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। प्रशासन द्वारा इन बिंदुओं की जांच किए जाने की बात कही गई है।

## केन्द्रीय जेल रीवा में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर बलराम जयंती मनाई गई

रीवा। जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल रीवा ने बताया कि 2 सितंबर 2026 को बलराम जयंती के अवसर पर राज्य शासन एवं जेल मुख्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार भगवान श्री बलराम के प्रसंग, लोककल्याणकारी जीवनगाथा से संबंधित जीवंत संवाद का भव्य आयोजन किया गया। जेल में बंदियों द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भगवान श्री बलराम और श्री कृष्ण के जीवन



का नाट रूपांतरण संगीत एवं लोक नृत्य

प्रस्तुत किये गये। जेल में पदस्थ शिक्षक श्री राजीव तिवारी द्वारा भगवान श्री बलराम की जीवनगाथा और उनकी लीलाओं पर प्रकाश डाला गया। जेल अधीक्षक ने बताया कि भगवान श्री बलराम जयंती न केवल भगवान श्री बलराम दिव्य जन्म का उत्सव है बल्कि धर्म, शक्ति, परिश्रम और आध्यात्मिक ज्ञान के सिद्धांतों का सम्मान करने का भी एक अवसर है। इस अवसर पर उपस्थित

जनसमुदाय एवं बंदियों द्वारा कर्तल ध्वनि से प्रशंसा की गई। बलराम जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम एवं झांकी के आयोजन में जेल स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजित कार्यक्रम में जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय, उप जेल अधीक्षक श्याम सिंह कुशवाह, शिक्षक राजीव तिवारी एवं रंजदीप सिंह सहित जेल स्टाफ मौजूद था।

## जिले में अब तक 672.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में पिछले चार दिनों से वर्षा का जोर बना हुआ है। रीवा, मैहर तथा सतना जिले में रूक-रूक कर हो रही भारी वर्षा से जनजीवन प्रभावित हुआ है। इन क्षेत्रों में वर्षा के कारण तराई के त्योंथर क्षेत्र में टमस तथा उसकी सहायक नदियों का जल स्तर बढ़ रहा है। रीवा में विक्रम पुल पर बीहर नदी का जल स्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। जिले में 2 सितम्बर को 41.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दिन तहसील हजूर में 38 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 22 मिमी, गुढ़ में 32 मिमी, सिरमौर में 38 मिमी, त्योंथर में 65 मिमी, सेमरिया में 35 मिमी, मनगवां में 40 मिमी तथा जवा में 60 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 672.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस अवधि में तहसील हजूर में 826.3 मिमी, रायपुर कर्चुलियान में 707.3 मिमी, गुढ़ में 978 मिमी, सिरमौर में 619.4 मिमी, त्योंथर में 497 मिमी, सेमरिया में 534 मिमी, मनगवां में 475 मिमी और जवा में 741 मिमी वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 744.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई थी। रीवा जिले की सामान्य औसत वर्षा 1044.6 मिमी है। जिले के सिंचाई का प्रमुख स्रोत बाणसार बांध का जल स्तर अधिकतम 341.64 मीटर है। बांध का जल स्तर 341.58 मीटर हो गया है। अधिक जल निकासी के लिए खोले गए बांध के गेट अब बंद कर दिए गए हैं।

## प्रतिनियुक्त कर्मचारियों ने ज्ञापन सौंपकर सामूहिक त्यागपत्र देने की दी चेतावनी

मऊगंजा। जिले में प्रतिनियुक्त कर्मचारियों ने तीन माह से जिसमें जुल,जुलाई एवं अगस्त 2026 का मानदेय का भुगतान नहीं होने पर गंभीर माराजगी जताई है कर्मचारियों ने जिला परियोजना समन्वयक एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो वे सामूहिक रूप से बीएससी BAC और सीएससी



CAC पदों से त्यागपत्र देने को मजबूर होने।ज्ञापन में कर्मचारियों ने कहा कि लगातार तीन महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई, बैंक ऋण की किस्त, बीमा प्रीमियम, मकान किराया, बिजली बिल सहित दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना मुश्किल हो गया है। आर्थिक तंगी के चलते कई कर्मचारियों के मानसिक तनाव में भी वृद्धि हुई है।ज्ञापन में बताया गया है कि वेतन नहीं मिलने से पेट्रोल-डीजल का खर्च उठाना कठिन हो गया है, जिससे कार्यालयीन कार्य एवं प्रशिक्षण प्रभावित हो रहे हैं। बैंक ऋण की किश्तें समय पर जमा नहीं होने से पेनाल्टी लग रही है और भविष्य में ऋण मिलने की संभावना भी प्रभावित हो सकती है कर्मचारियों ने यह भी कहा कि लगातार आर्थिक संकट के कारण परिवारिक तनाव बढ़ रहा है तथा मानसिक अवसाद जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। ऐसे हालात में पूरी निष्ठा से शासकीय कार्य करना कठिन हो गया है।ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने प्रशासन से लंबित तीन माह का मानदेय तत्काल जारी करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि समय रहते भुगतान नहीं हुआ तो बड़ी संख्या में प्रतिनियुक्त कर्मचारी बीएससी/सीएससी पदों से सामूहिक इस्तीफा देने के लिए बाध्य होंगे।ज्ञापन की प्रतिलिपि आयुक्त रीवा संभाग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला शिक्षा केंद्र तथा संबंधित विकासखंड स्रोत समन्वयकों को भी भेजी गई है।

## लगातार वर्षा के कारण स्कूलों में 3 और 5 सितम्बर को रहेगा अवकाश

रीवा। जिले में पिछले 4 दिनों से लगातार वर्षा के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। कई स्थानों में नदी-नालों का जल स्तर बढ़ने से मार्ग अवरोद्ध हो गए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने 3 सितम्बर और 5 सितम्बर को सभी शासकीय और अशासकीय स्कूलों में अवकाश के आदेश दिए हैं। इन दिवसों में विद्यार्थी स्कूल नहीं आएंगे, लेकिन शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी स्कूल में उपस्थित होकर विद्यालयीन कार्य करेंगे। इन दिवसों में यदि परीक्षा निर्धारित है तो वह यथावत संचालित होंगी।

## जाँच दल ने किया ब्लड बैंक का निरीक्षण

रीवा। क्षेत्रीय संगावक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. जीएस परिहार के निदेश पर छद्मनाम लाइफ केयर सेंटर ब्लड बैंक का जाँच दल द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। शिकारतकर्ता शिवनारायण द्विवेदी, निवासी बड़ इटनग, त्योंथर द्वारा प्रस्तुत शिकारत के आधार पर गठित जाँच दल द्वारा ब्लड बैंक का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निश्चित प्रोटोकॉल का पालन नहीं पाया गया। निरीक्षण दल द्वारा आवश्यक बिंदुओं पर जाँच एवं अमिलेखों का अवलोकन किया गया। संबंधित संस्था को निर्देशित किया गया कि समस्त आवश्यक दस्तावेजों एवं अमिलेखों के साथ क्षेत्रीय संचालक कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। क्षेत्रीय संचालक ने निर्देशित किया है कि निजी क्षेत्र द्वारा संचालित सभी ब्लड बैंक समस्त प्रोटोकॉल को पालने करें और साथ ही सभी प्रकार इन्फेक्शन प्रसंस्कृत, इंटरनल, एक्सटर्नल, अनियंत्रित रूप से कटार, अस्थिा कि दक्षा में कर्मिका पाए जाने पर संचालन कार्यवाही की जाएगी।



## हनुमना पुलिस ने 63 लीटर देसी शराब के साथ दो आरोपी को किया गिरफ्तार

मऊगंजा। जिले के हनुमना थाना पुलिस ने आपरेशन प्रहार 2.0 के तहत कार से अवैध शराब की तस्करी कर रहे दो आरोपीयों को किया गिरफ्तार थाना प्रमारी निरीक्षक राजेश पटेल के नेतृत्व में थाना हनुमना पुलिस स्टाफ द्वारा हुण्डई कार क्रमांक MP 66 CA 0649 से कुल 63 लीटर देशी शराब की तस्करी कर रहे दो आरोपी आर.के. पटेल, बबू पटेल निवासी जिला सीधी को गिरफ्तार किया गया है। मुखबिर् द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति एक सिल्वर कलर की हुण्डई कम्पनी की ओरा कार क्रमांक MP 66 CA 0649 ने भारी मात्रा अवैध शराब लोड कर पिपराही से हनुमना तरफ बिकी करने आ रहे है मुखबिर् सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी आर के पटेल पिता स्व. गणेश प्रसाद पटेल उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम अभिरिती थाना अमिलिया जिला सीधी एवं बबू पटेल पिता देवराज पटेल उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम घोपारी थाना अमिलिया जिला सीधी को मय कार क्रमांक MP 66 CA 0649 एवं 07 पेटि देशी मल्लिरा प्लेन कुल 63 लीटर के साथ अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। जाट मशरूफा कुल 63 लीटर देशी प्लेन शराब कीमती –30500/- रुपये हुण्डई कार क्रमांक MP 66 CA 0649 कीमती – 800000/- रुपये बताई गई।

## बेटी कल्पना को न्याय दिलाने सिरमौर चौराहे पर धरने में बैठा पिता

### बोले- सरकार दो करोड़ भी देगी तो नहीं लेंगे, दोषियों पर नामजद

### एफआईआर और गिरफ्तारी की मांग

रीवा। शहर के सिरमौर चौराहे पर संजय गांधी अस्पताल में कल्पना मिश्रा और उसके नज्वात बच्चे की मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर पिता रामशिरोगणि मिश्रा ने चौराहे पर तंबू लगाकर धरना शुरू कर दिया है। परिवार का कहना है कि जब तक जिम्मेदार डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के खिलाफ नामजद प्रार्थमिकी दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। परिजनों के अनुसार, कल्पना मिश्रा को प्रसव के लिए रीवा के गांधी मेमोरियल अस्पताल लाया गया था। परिवार को उम्मीद थी कि अस्पताल में उपचार मिलने के बाद बेटी और उसका होने वाला बच्चा सुरक्षित घर लौटेंगे, लेकिन घटनाक्रम ने पूरे परिवार को झकझोर दिया। इस मामले से जुड़ा एक वीडियो भी इंटरनेट माध्यमों पर प्रसारित हुआ था, जिसमें कल्पना



कथित तौर पर प्रसव कक्ष से बाहर आती दिखाई दे रही है। वीडियो में वह अपने पिता से मदद की गुहार लगाती नजर आती है। परिजनों का दावा है कि कल्पना ने अपने पिता से उसे बचाने और अस्पताल से ले जाने की बात कही थी। परिवार का आरोप है कि बेटी की हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन समय पर उचित उपचार और आवश्यक चिकित्सा प्रबंधन नहीं मिल सका। इसके कुछ समय बाद ही कल्पना और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई।

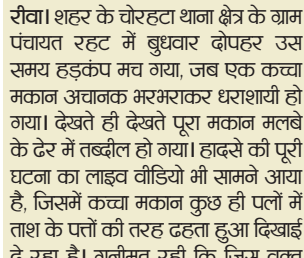
## पैसों की मांग और बेहोशी की दवा की मात्रा को लेकर गंभीर आरोप

मामले में मृतका के परिजनों ने अस्पताल के चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का आरोप है कि उनसे उपचार के साथ पर पैसों की मांग की गई और मांग पूरी नहीं होने के कारण कल्पना के साथ लापरवाही बरती गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि कल्पना को बेहोशी की दवा की अधिक मात्रा दी गई, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई और अंततः जच्चा-बच्चा दोनों की मौत हो गई।

### दो लाख की सरकारी सहायता भी टुकराई

घटना के बाद मुख्यमंत्री राहत कोष से परिवार को दो लाख रुपए की सहायता राशि दिए जाने की घोषणा की गई। हालांकि, मृतका के पिता ने यह सहायता लेने से इनकार कर दिया। धरने पर बैठे रामशिरोगणि मिश्रा का कहना है कि बेटी को खोने के बाद कोई भी आर्थिक सहायता उनके लिए मायने नहीं रखती।

## भरभराकर ढह गया कच्चा मकान मलबे में दबा गृहस्थी का सामान



रीवा। शहर के चौरहाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रहट में बुधवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर धराशायी हो गया। देखते ही देखते पूरा मकान मलबे के ढेर में तब्दील हो गया। हादसे की पूरी घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कच्चा मकान कुछ ही पलों में ताश के पत्तों की तरह ढहता हुआ दिखाई दे रहा है। गर्नीमत रही कि जिस वक्त मकान अचानक गिरा, उस समय घर के भीतर परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। दिनेश विश्वकर्मा का परिवार हादसे से कुछ समय पहले ही घर से बाहर निकल चुका था। यहीं वजह रही कि मकान गिरने के दौरान किसी तरह की जहनहन नहीं हुई और एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार दिनेश विश्वकर्मा का परिवार लंबे समय से इसी कच्चे मकान में रह रहा था। सोमवार दोपहर

### गृहस्थी का पूरा सामान मलबे में दबा

मकान के धराशायी होने से दिनेश विश्वकर्मा के परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। मकान के अंदर रखा गृहस्थी का सामान, अनाज, कपड़े, बर्तन सहित रोजमर्रा के उपयोग की अन्य सामग्री मलबे के नीचे दब गई। मकान के गिरने से परिवार के सामने रहने और जीवन-यापन को लेकर भी संकट खड़ा हो गया है।